TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

5 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जिंदगी में खत्म होने जैसा कुछ नहीं है
हमेशा एक नया अवसर आपका इंतजार
कर रहा होता है।

- स्वामी विवेकानंद

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

05 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

थोड़ा ज्ञान जो प्रयोग में लाया जाता है, वो बहुत सारा ज्ञान जो बेकार पड़ा है उससे कई गुना अधिक मूल्यवान होता है।

खलील जिब्रान

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

05 जनवरी

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, रविवार 05 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"सुन्दरता आँखों को प्रभावित करती है।, परन्तु श्रेष्ठता आत्मा पर विजयी होती है।"

–अलेक्जेंडर पोप

"Charms strike the sight, but merit wins the soul."

-Alexander Pope

आज के दिन

1659– औरंगजेब व शाहशुजा के बीच इलाहाबाद के निकट खेजवा नामक स्थान पर युद्ध हुआ। शाहशुजा पराजित होकर अराकान भाग गया जहा उसकी मृत्यु हो गई।

1957– केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम प्रभाव में आया।

1971– सबसे पहला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) में खेला गया।

2014– भारत में निर्मित भारतीय संचार उपग्रह 'जीसैट–14' का प्रक्षेपण स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन की पहली सफल उड़ान बनी।

1941– भारतीय क्रिकेटर और पटौदी के नौवें नवाब मंसूर अली खान पटौदी का जन्म।

1. **अमेरिका में राष्ट्रीय पक्षी दिवस**– अमेरिका के एवियन वेलफेयर कॉलीशन संस्था द्वारा पक्षियों के प्रति प्यार जताने के लिए यह दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी। वर्तमान में विश्व के कई देश आज इस दिवस को मनाते हैं। चुंकि पारिस्थितिकी तंत्र में पक्षियों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। अतः पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए जागरूकता फैलाना आवश्यक है। पक्षियों के अवैध व्यापार, शिकार, जलवायु परिवर्तन और बीमारियों से होने वाले खतरों से जागरूक करने के लिए यह दिवस काफी महत्वपूर्ण है। भारत में राष्ट्रीय पक्षी दिवस 12 नवम्बर को मशहूर पक्षी विज्ञानी डॉ. सलीम अली के जन्मदिवस पर मनाया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें**– अपने आस–पास के चिड़ियाघरों की सैर करायें। बर्ड वाचिंग करें। विभिन्न प्रकार के पक्षियों की चोंच, पंजे, घोंसले, भोजन, अंडे आदि का अध्ययन करें।
   - **संदर्भ**– कक्षा 3 के **पर्यावरण अध्ययन** की पाठ्यपुस्तक की पाठ 4 **'रंग–बिरंगे पंख'** से जोड़ सकते हैं।

2. **मुगल शासक शाहजहाँ का जन्म**– मुगल वंश का पाँचवां शासक शाहजहाँ का जन्म 5 जनवरी, 1592 ई0 को लाहौर में हुआ था। उसके बचपन का नाम खुर्रम (आनन्ददायक) था। उसके पिता का नाम जहाँगीर और माता का नाम ताज बीबी बिलकिस मकानी था। 1612 ई. में शाहजहाँ का विवाह अर्जुमन्द बानो बेगम से हुआ था। इसे शाहजहाँ मलिका–ए–जमानी (मुमताज महल) की उपाधि प्रदान की थी। मुमताज महल से शाहजहाँ को 14 संतानें हुईं थी जिनमें मात्र चार पुत्र और तीन पुत्रियां जीवित रह पायीं। 1631 ई. में मुमताज महल की मृत्यु प्रसव–पीड़ा से हुई थी, जिसकी स्मृति में शाहजहाँ ने 'ताजमहल' का निर्माण करवाया था। ताजमहल आज संसार के सात आश्चर्यों और युनेस्को संरक्षित विश्व धरोहरों में से एक है। शाहजहाँ का शासनकाल 'स्थापत्यकला का स्वर्णयुग' माना जाता है। शाहजहाँ द्वारा बनवायी गयी प्रमुख इमारतें दिल्ली का लालकिला, दिल्ली का जामा मस्जिद, आगरा का मोती मस्जिद, लाहौर का किला, नौलख महल, दीवान–ए–आम, दीवान–ए–खास आदि प्रमुख हैं। शाहजहाँ जिस रत्न जड़ित मयूर सिंहासन (तख्ते–ताऊस) पर बैठता था उसमें विश्व का सबसे महँगा 'कोहिनूर' हीरा जड़ा था। शाहजहाँ अपने समय का एक कुशल योद्धा था। दक्षिण भारत के तीन प्रमुख राज्यों अहमदनगर, गोलकुंडा तथा बीजापुर में से अहमदनगर पर 1633 ई. में मुगलों द्वारा कब्जा कर लिया। बीजापुर ने 1636 ई. तथा गोलकुंडा ने 1656 ई. में मुगल साम्राज्य की अधीनता स्वीकार कर ली और वे साम्राज्य को निश्चित सालाना हर्जाना देने लगे। परंतु ये दोनों राज्य मुगल साम्राज्य में शामिल नहीं किए जा सके।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 4 मुगल साम्राज्य अथवा पृष्ठ 74** के संदर्भ में बच्चों को बताया जा सकता है।

3. **कागजी मुद्रा स्वीडन के बैंक ने जारी किया**– यूरोप में पहली बार 1691ई. में कागजी मुद्रा स्वीडन के बैंक ने जारी किया था।
   - **क्या आप जानते हैं?** भारत की सबसे पहली कागजी मुद्रा कलकत्ता के बैंक ऑफ हिंदोस्तान ने 1770 में जारी की थी।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** आज आप बच्चों को विभिन्न नोटों के फीचर्स के बारे में चर्चा कर सकते हैं। उन्हें मुद्रा की कहानी भी बता सकते हैं।
   - **संदर्भः वर्ग 1 से 5 तक की गणित** के पाठ्यपुस्तक में **'मुद्रा'** पाठ से जोड़े। **NCERT की वर्ग दशम् की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 3** से भी जोड़ सकते हैं।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 1. 'दिवस ज्ञान विशेषांक 05 जनवरी 2025', 2. ज्ञान दृष्टि का 'मुद्रा' अंक

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 5जनवरी

मधु प्रिया

पहली बार काग़ज़ी मुद्रा स्वीडन के बैंक ने जारी की,5 जनवरी

5 जनवरी 1691 में आज ही के दिन यूरोप में पहली बार करेंसी नोट छपा था। स्वीडन के बैंक ने यह कागजी मुद्रा जारी की थी। इसके बाद से ही दुनिया में कागज के नोट प्रचलन में आए। हालांकि, स्वीडन से पहले चीन के राजाओं ने छठी, नौवीं और 11वीं शताब्दी में कागज के बिल जारी किए थे। पर वे आम लोगों के बीच चलन में नहीं पाए थे। भारत में करंसी का इतिहास 2500 साल पुराना है। लेकिन कागज का पहला नोट 1862 में अंग्रेजों ने जारी किया था। इस पर ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया के चित्र थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी पहली करेंसी 1938 में छापी थी। पांच रुपए के इस नोट पर किंग जॉर्ज की तस्वीर थी। 332 वर्ष पहले यूरोप में पहली बार छपा था कागज का नोट, स्वीडिश बैंक ने छापा था नोट 1691- मेंआज ही के दिन यूरोप में पहली बार करेंसी नोट छपा था। स्वीडन के बैंक ने यह कागजी मुद्रा जारी की थी। इसके बाद से ही दुनिया में कागज के नोट प्रचलन में आए।

जयंती विशेष 05 जनवरी

राकेश कुमार

बंगाल में क्रांतिकारी विचारधारा का प्रचार प्रसार
करने वाले प्रसिद्ध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं
युगांतर के संस्थापक

बारीन्द्र कुमार घोष जी

की जयंती पर उन्हें शत् शत् नमन।

बारीन्द्र कुमार घोष *Barindra Kumar Ghosh* जन्म: 5 जनवरी, 1880; मृत्यु: 18 अप्रैल, 1959) भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तथा पत्रकार थे। इनको बारिन घोष के नाम से भी जाना जाता है। वे अध्यात्मवादी अरविंद घोष के छोटे भाई थे। बंगाल में क्रांतिकारी विचारधारा को फैलाने का श्रेय बारीन्द्र कुमार और भूपेन्द्र नाथ दत्त, जो कि स्वामी विवेकानंद के छोटे भाई थे, को ही जाता है।

दिवस प्रेरणा 5

पेले

(मशहुर ब्राजीलियन फुटबॉलर)

किट खरीदने के लिए जूते भी पॉलिश किये ..

संघर्ष

पेले का बचपन गरीबी में बीता। उनके परिवार की आर्थिक हालत इतनी खराब थी कि उनके पास फुटबॉल खरीदने तक के पैसे नहीं थे। बचपन में वे अपने मौजे में अखबार के कागज, रद्दी आदि को भरकर उसे अंगूर की लताओं से बांधकर फुटबॉल बनाकर खेलते थे। अपने बचपन के दिनों में पैसे कमाने के लिए चाय की दुकानों में वेटर का काम किया। बचपन में वे पायलट बनने का ख्वाब देखते थे। लेकिन उनके घर के पास हुई एक प्लेन क्रेश में पायलट की मौत के बाद उन्होंने अपना विचार बदल लिया था।

सफलता

'फुटबॉल किंग' और 'ब्लैक पर्ल' के नाम से मशहुर पेले तीन बार वर्ल्डकप का खिताब अपने नाम करने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी हैं। ब्राजील में फुटबॉल खेल की शुरूआत करने का श्रेय पेले को दिया जाता है। पेले के अद्भुत खेल प्रतिभा के कारण 1958 में ब्राजील पहली बार फुटबॉल चैंम्पियन बना था। उस समय पेले मात्र 18 वर्ष के थे। उस वर्ल्ड कप में पेले ने कई रिकार्ड तोड़ दिये थे। वर्श 1999 में पेले को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी द्वारा 'सदी का फुटबॉल खिलाड़ी' का खिताब दिया गया था। उनकी उपलब्धि के लिए ब्राजील सरकार का स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया। ब्राजील के खेल मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुतिः टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : teachersofbihar@gmail.com

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 05.01.2025

पूछताछ-आधारित शिक्षा (IBL)

पूछताछ-आधारित शिक्षा (IBL) एक सीखने का तरीका है जो छात्रों को प्रश्न पूछने, समस्याओं की जांच करने, और अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित करता है. इस तरीके में, छात्रों को समस्या-समाधान और अनुभवात्मक सीखने में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. पूछताछ-आधारित शिक्षा में, छात्र और शिक्षक सीखने की ज़िम्मेदारी साझा करते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

कोलंबिया के एक शहर ने हरे गलियारों में 2.5 मिलियन पौधे और 880,000 पेड़ लगाकर अपने तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस कम कर दिया, जिससे प्रभावी रूप से गर्मी कम हुई और वायु गुणवत्ता में वृद्धि हुई।

क्रिकेट से जुड़ी ख़बरें

सिडनी में होगा पिंक टेस्ट: मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने फोटोशूट कराया, मैक्ग्रा फाउंडेशन के स्पोर्ट में पिंक कैप पहनते हैं प्लेयर्स

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (SCG) में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेली जाएगा। इस मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने बुधवार को सिडनी स्टेडियम में पिंक कैप पहनकर फोटोशूट कराया।

क्यों कराया जाता है पिंक टेस्ट

पिंक टेस्ट का नाता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा और उनकी पत्नी जेन से जुड़ा है। टेस्ट मैच के तीसरे दिन को 'जेन मैक्ग्रा डे' के नाम से जाना जाता है। जेन का 2008 में ब्रेस्ट कैंसर की वजह से निधन हुआ था। इसके बाद ब्रेस्ट कैंसर के प्रति लोगों में जागरूकता के लिए सिडनी में पिंक टेस्ट कराया जाने लगा। यह ग्लेन मैक्ग्रा का होम ग्राउंड है।